

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-964
उत्तर दिनांक 13/02/2025 को दिया गया

डीएई का खनिज और रसायन क्षेत्र में योगदान

964 # श्रीमती माया नारोलिया

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) क्या परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) का खनिज और रसायन क्षेत्र में कोई योगदान है; और
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) हां। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की संघटक इकाई परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) का, देश के नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम में सहयोग करने हेतु खनिज क्षेत्र में, विशेष रूप से परमाणु और महत्वपूर्ण खनिज स्रोतों - यूरेनियम, थोरियम, नियोबियम, टैंटलम, बेरिलियम, लिथियम, जिर्कोनियम, टाइटेनियम एवं दुर्लभ मृदा तत्वों के अन्वेषण, निर्धारण, मूल्यांकन और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान है। परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसई) आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड का अधिदेश ओडिशा, तमिलनाडु और केरल राज्यों में अपने संयंत्रों में दुर्लभ मृदा युक्त खनिज और परिष्कृत दुर्लभ मृदा सहित परमाणु खनिजों का उत्पादन करना है।

एएमडी ने, वर्ष दिसंबर, 2024 तक; निम्नलिखित का निर्धारण किया है :

- आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, मेघालय, राजस्थान, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र में **4,28,300 टन (टी)** यू-ऑक्साइड स्रोत।
- **1,309.42** मिलियन टन (एमटी) समुद्र तटीय रेत खनिज (अंतर्देशीय प्लेसर सहित) स्रोत जिसमें 13.15 मीट्रिक टन मोनाज़ाइट, 706.24 मीट्रिक टन इलमेनाइट, 278.48 मीट्रिक टन सिलिमेनाइट, 217.83 मीट्रिक टन गार्नेट, 38 मीट्रिक टन जिर्कोन, 35.98 मीट्रिक टन रूटाइल और 19.75 मीट्रिक टन ल्यूकोक्सीन शामिल हैं।

- गुजरात और राजस्थान में कठोर शैलों से प्राप्त 1.23 मीट्रिक टन दुर्लभ मृदा तत्व ऑक्साइड (आरईओ) स्रोत।
- छत्तीसगढ़ और झारखंड के नदी तटीय प्लेसर निक्षेपों में ~2% जिनोटाइम (यिट्रियम खनिज) युक्त 2,000 टन भारी खनिज सांद्रण (एचएमसी)।
- कर्नाटक में कठोर शैलों से प्राप्त 1,800 टन लिथियम ऑक्साइड (Li₂O)।
